06 04 2023

NAVBHARAT TIMES



सीमापुरी के ई-ब्लॉक और एफ-ब्लॉक की दो पुलिस चौकी में चल रही है पाठशाला

200 से ज़्यादा बच्चों की 'चौकी में पाठशाला'

Rajesh.Saroha@timesgroup.com

■ **नई दिल्ली :** छोटे बच्चों के दिलो दिमाग से पुलिस का डर निकालने के लिए सीमापुरी इलाके में पुलिस चौकी में पाठशाला चलाई जा रही है। सीमापुरी के ई-ब्लॉक और एफ-ब्लॉक की दो पुलिस चौकी में इस समय 220 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। ज्यादातर बच्चे सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में अलग-अलग क्लासों में पढ़ाई कर रहे है। इस अनोखी पाठशाला में पढ़ रहे बच्चे अब खाकी वर्दी के प्रति इतने फ्रेंडली हो गए है कि उनसे डरने की बजाय उनके सामने तरह-तरह की फरमाइशें रखते हैं। कोई बच्चा आइसक्रीम खिलाने के लिए कहता है तो कोई पिकनिक पर ले जाने की डिमांड रखता है। दिल्ली पुलिस की इस अनूठी पहल से बच्चों के परिजन भी बहुत खुश हैं। इलाके के लोग इसका पूरा श्रेय सीमापुरी थाने के एसएचओ विनय यादव को देते हैं।

सीमापुरी ई-ब्लॉक में ईदगाह के पीछे आसपास के लोगों ने अपना कबाड़ इकट्ठा किया हुआ था। जब इस जगह पर स्कूल शुरू करने की बात चली तो लोगों ने जगह को खाली कर दिया। इसके बाद पुलिस ने इस जगह पर एक बड़ा सा कमरा तैयार कराया। जब बात स्कूल के नामकरण की आई तो इलाके के लोगों ने ही इसका नाम चौकी में पाठशाला रखने के लिए कहा। शाहदरा डिस्ट्रिक्ट के पुलिस अधिकारियों को भी यह नाम बहुत पसंद आया। शुरुआत 10-15 बच्चों से हुई, लेकिन देखते ही देखते बच्चों की संख्या बढ़ती चली गई।

किताबें हुईं चोरी तो लगवाई गई जाली

एक दिन एसएचओ घूमते हुए बच्चों के बीच पहुंचे तो बच्चों ने कहा अंकल बहुत गर्मी लग रही है। कुछ ही दिनों में बिजली कनेक्शन कराने के साथ-साथ पाठशाला में छह पंखे लगवा दिए गए। एचएचओ ने बताया कि पाठशाला शुरू हुए कुछ ही दिन हुए थे कि किसी ने पाठशाला में रखी किताबें चोरी कर लीं। चोरी की घटना को रोकने के लिए चौकी को दोनों तरफ से लोहे के जाल से कवर किया गया। सीमापुरी एफ-ब्लॉक में भी चौकी में पाठशाला चलाई जा रही है। इस पाठशाला में 150 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। इसमें अभी बिजली कनेक्शन के अलावा किताबों के लिए रैक आदि बननी बाकी है।

10,000 से अधिक किताबें मिल चुकी हैं सीमापुरी इलाके के छह प्राइवेट स्कूलों से

220 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं सीमापुरी के ई और एफ-ब्लॉक की दो पुलिस चौकी में

किताबों और बेंच के लिए छह प्राइवेट स्कूलों से संपर्क किया। इन स्कूलों से अभी तक 10,000 से अधिक किताबें मिल चुकी हैं। एक स्कूल ने बेंच की व्यवस्था की। कुछ बच्चों को टैब भी दिए गए हैं। कई सामाजिक संस्थाएं भी सहयोग कर रही हैं। - *विनय यादव, एसएचओ सीमापुरी थाना*

